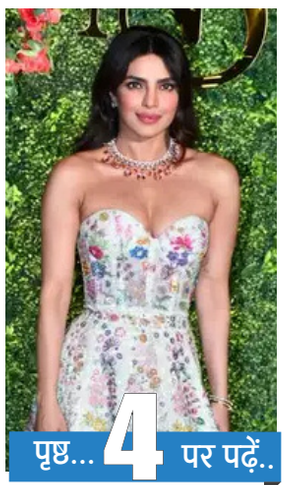

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

भाई की शादी में शामिल होने इंडिया आईं प्रियंका

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 283 ■ शुक्रवार, 7 फरवरी 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर में एक ही नंबर के दो रिक्शा

- फर्जी नंबर पर चल रही थी एक रिक्शा
- असली रिक्शा डोंबिवली की
- यातायात पुलिस ने की कार्रवाई
- दोनों रिक्शाएं जब्त
- सेंट्रल पुलिस में मामला दर्ज

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पता चला है कि शहर में एक ही नंबर के दो रिक्शा चल रहे हैं। यातायात पुलिस ने संदिग्ध लगने पर उल्हासनगर कैंप 3 फालोअर लाइन क्षेत्र में ऑटो रिक्शा एमएच 05 सीजी 7082 को रोका। तभी उसी नंबर प्लेट वाली एक और रिक्शा वहां पहुंची और पुलिस ने दोनों रिक्शा को हिरासत में लेकर उनके कागजात जांच के लिए ले लिए। जब दोनों के कागजात जांच के लिए गए तो परिवहन विभाग ने पाया कि डोंबिवली में रहने वाले रविंद्र पाटिल के कागजात असली थे, जबकि सुनील पाटिल के कागजात नकली थे।

■ फर्जी नंबर प्लेट पर 4,500 दंड

पता चला कि कार्रवाई के डर से सुनील पिछले छह महीने से फर्जी नंबरों का इस्तेमाल कर रिक्शा चला रहा था। इस वजह से रिक्शा मालिक को फर्जी नंबर प्लेट के कारण 4,500 रुपये का जुर्माना भी भरना पड़ा। यातायात पुलिस ने दोनों रिक्शा जब्त कर लिए हैं। फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल करने वाले रिक्शा चालक के खिलाफ कार्रवाई की गई है और सेंट्रल पुलिस थाने में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। बाहरी शहर से भी कई रिक्शा यहां चलती है उनपर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

पराजित उम्मीदवारों ने किया मॉक पोल का विरोध

- जिलाधिकारी कार्यालय में बैठक का आयोजन

ठाणे. कुछ महीने पहले हुए लोकसभा और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में ठाणे जिले के पराजित उम्मीदवारों ने बुधवार को मॉक पोल (दिखावटी मतदान) प्रक्रिया का बहिष्कार करने का फैसला किया। अभ्यर्थियों ने कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवहेलना करते हुए जिला मजिस्ट्रेट को मॉक पोल कराने का आदेश दिया था, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को ब्रन्ट मेमरी जांच कराने का निर्देश दिया था। राज्य में हुए विधानसभा चुनावों में महा विकास आघाड़ी के कई उम्मीदवार हार गए। महाविकास आघाड़ी को ठाणे जिले में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इसी तरह, ठाणे से ठाकरे गुट के नेता पूर्व सांसद राजन विचारे भी लोकसभा चुनाव हार गए। इसलिए राजन विचारे सहित पराजित उम्मीदवारों ने चुनाव आयोग के खिलाफ अदालत में याचिका दायर की। इसके अलावा, कुछ पराजित उम्मीदवारों ने बी.यू., सी.यू. और वीवीपैट मशीनों की ब्रन्ट मेमरी की जांच के लिए पैसे दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर पराजित उम्मीदवारों द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत स्पष्टीकरण देने को कहा है। इस नोटिस में प्रत्याशियों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को ब्रन्ट मेमरी की जांच करने का निर्देश दिया है।

पराजित प्रत्याशियों द्वारा दाखिल आवेदनों के संबंध में बुधवार को जिला कलेक्टर कार्यालय में बैठक आयोजित की गई।

ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित बैठक में पूर्व सांसद राजन विचारे, ठाकरे गुट के डोंबिवली शहर विधानसभा उम्मीदवार दीपेश म्हात्रे, ऐरोली निर्वाचन क्षेत्र के ठाकरे गुट के उम्मीदवार एम. के. मढवी, शरद पवार गुट के शाहपुर उम्मीदवार पांडुरंग बरोरा, शरद पवार गुट के मुरबाड विधानसभा उम्मीदवार सुभाष पवार, ठाकरे गुट के कल्याण पश्चिम उम्मीदवार सचिन बासरे और अन्य उम्मीदवारों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आपत्तियां क्या हैं?

- वीवीपैट पर्चियां उम्मीदवारों को नहीं दिखाई गईं। इसे भी एक काले लिफाफे में बंद कर दिया गया था।
- जिला कलेक्टर ने पराजित उम्मीदवारों से अनुरोध किया कि वे चुनाव आयोग के मॉक पोल कराने के निर्णय को वापस लेने के लिए आवेदन करें।
- चुनाव आयोग को उसके समक्ष दायर शिकायत पर एक भी लिखित जवाब नहीं मिला है।

मॉक पोल क्या होता है?

मॉक पोल के दौरान, हर उम्मीदवार के नाम के बटन को रैंडम तरीके से कम से कम तीन बार दबाया जाता है। इस दौरान NOTA का बटन भी दबाकर चेक किया जाता है। चाहे प्रत्याशियों की संख्या कितनी भी हो, हर पोल में कम से कम पचास मॉक पोल होते हैं। यह बटन पोलिंग एजेंट द्वारा दबाया जाता है और अगर एजेंट उपलब्ध नहीं है तो मतदान अधिकारी बटन दबाकर मॉक पोल करते हैं। अगर ईवीएम का बटन दबाने पर बीप की आवाज नहीं आती है तो ईवीएम बदल दी जाती है।

शहाड स्टेशन परिसर हुआ अवैध पार्किंग से मुक्त

- 20 सालों से था कब्जा
- आयुक्त के आदेश पर कार्रवाई
- यात्रियों को राहत
- आयुक्त का एक्शन मोड जारी

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका ने पिछले 20 सालों से चल रही अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई की है। शहाड रेलवे स्टेशन क्षेत्र में फ्लाईओवर के नीचे पिछले 20 सालों से अवैध रूप से दोपहिया वाहन पार्क किए जा रहे थे। इससे पहले उल्हासनगर महानगरपालिका के अधिकारियों को इस पार्किंग को हटाने का आदेश दिया गया था, लेकिन अधिकारी भी इसमें आनाकानी कर रहे थे, जिसके कारण यहां पर यह पार्किंग शुरू हो गई थी और कुछ लोग यहां पर बाइक पार्क करने वालों से पैसे भी वसूल रहे थे, जिसके कारण महानगरपालिका को आर्थिक नुकसान हो रहा था। आखिरकार नवनियुक्त आयुक्त के आदेश के बाद महानगरपालिका की सहायक आयुक्त अलका पवार ने अपनी टीम के माध्यम से ट्रैफिक पुलिस की मदद से इस पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई की और इसे हटा दिया। शहर में जिन भी जगहों पर अवैध पार्किंग चल रही है, उन सभी जगहों पर कार्रवाई करने के निर्देश भी प्रशासन ने दिए हैं।

पूर्व मंत्री बच्चू कडू 9 फरवरी को अंबरनाथ में

- क्रिकेट मैच में होंगे मुख्य अतिथि
- आलम खान द्वारा दो दिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में 9 फरवरी रविवार को प्रहार जनशक्ति के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री बच्चू कडे नेताजी मार्केट, विमको नाका मैदान में आजम खान द्वारा आयोजित क्रिकेट मैच में मुख्य अतिथि होंगे. ऐसी जानकारी प्रहार जनशक्ति पक्ष अंबरनाथ के अध्यक्ष आलम खान ने दी है. उन्होंने ही शहर में दो दिवसीय टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया है. 8 फरवरी शनिवार और 9 फरवरी रविवार को अंबरनाथ और ठाणे जिले की 16 क्रिकेट टीमें भाग ले रही हैं. खान ने अधिक जानकारी देते हुए बताया के टूर्नामेंट जीतने वाली क्रिकेट टीम को 55 हज़ार 555 रुपये नकद और रनर अप को 35 हजार 393 रुपये इनाम में दे कर प्रथम आने वाली टीम को प्रहार चषक दिया जाएगा.

बेस्ट बॉलर, बैट्समेन, फील्डर को भी पारितोषिक देकर चषक दिया जायेगा. 9 फरवरी को आखिरी दिन अंबरनाथ पूर्व, पश्चिम की पुलिस टीम एवं उन्हासनगर बार एसोसिएशन ने वकीलों के बीच क्रिकेट मुकाबला रखा गया है. उसी दिन 9 फरवरी को शाम 4 बजे पूर्व मंत्री बच्चू कडू भी तशरीफ ला कर अपने विचार व्यक्त करेंगे. आलम खान और उनके सभी साथी इस क्रिकेट टूर्नामेंट को सफल बनाने से लिये प्रयास कर रहे हैं. प्रहार चषक 2025 क्रिकेट स्पर्धा में एवं मंत्री बच्चू कडू का मार्गदर्शन सुनने के लिये सभी को आलम खान ने आमंत्रित किया है.

अक्षय की मौत का मुकदमा नहीं लड़ना चाहते : अन्ना शिंदे

मुंबई. पुलिस मुठभेड़ में मारे गए बदलापुर दुष्कर्म मामले के आरोपी अक्षय शिंदे के केस में अब नया मोड़ आ गया है। गुरुवार को अक्षय के माता-पिता ने बंबई हाईकोर्ट से कहा कि वे अपने बेटे की मौत से जुड़ा मुकदमा अब नहीं लड़ना चाहते। शिंदे के माता-पिता ने न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ के समक्ष यह बात कही। खंडपीठ, आरोपी अक्षय की हिरासत में मौत से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रही है। यह याचिका शिंदे के पिता अन्ना शिंदे ने दायर की थी, जिसमें आरोप था कि पुलिस ने उनके बेटे को फर्जी मुठभेड़ में मार दिया। दंपति ने गुरुवार को कार्यवाही के अंत में पीठ से कहा कि वे मामले को आगे बढ़ाने के इच्छुक नहीं हैं और चाहते हैं कि इसे बंद कर दिया जाए। दंपति ने पीठ से कहा कि उन पर किसी का कोई दबाव नहीं है और उन्होंने खुद ही बयान दिया है।

अंबरनाथ में पानी के लिए

गले में खाली बोतल का हार डाल कर मजीप्रा पर आंदोलन

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में पानी के लिये एक अनोखा आंदोलन देखने को मिला है. शहर पूर्व बारकुपाडा निवासियों को ठीक ढंग से पानी नहीं मिलने के कारण संतप्त निवासियों ने गले में खाली बोतलों का हार डाल कर मजीप्रा कार्यालय में गये और अधिकारियों के समक्ष आंदोलन किया. शहर पूर्व और पश्चिम में गत कई महिने से शहरवासियों को दो-दो दिन पानी नहीं मिल रहा है. मुस्लिम बहुल परिसर वुलन चाल में निवासी रोज़ाना ये गुहार लगाते हैं और पूछते है कि पानी कब आएगा. बारकू पाडा परिसर के निवासियों ने भालचंद्र भोईर प्रतिष्ठान के अध्यक्ष प्रकाश नलावडे के नेतृत्व में गले में खाली बोतलों का हार डाल कर उपस्थित अधिकारियों से जवाब तलब किया कि उन्हें पानी क्यों नहीं दिया जा रहा है. कब तक ये सब बरदाशत किया जाता रहेगा महिलाएं बहुत ज्यादा आक्रमक हो गई थी उन्होंने कहा कि हमें पानी का एक ही समय और ज्यादा समय के लिये बढ़ा कर पानी दीया जाये.

■ जानबूझ कर पानी न देने का आरोप

नलावडे ने तो खुला आरोप लगाया कि उनके परिसर में अधिकारी जानबूझ कर जलापूर्ति नहीं कर रहे हैं. कई बार निवेदन देने के बाद भी पानी नहीं मिलने के कारण खाली बोतलों का हार पहन कर उन्होंने ये आदोलन किया है. उनके साथ संदीप विशे, शीतल बोने, मंडलिक, अडागले, सारीका सालवे अदि उपस्थित थे. अधिकारियों ने केवल आश्वासन दिया है कि उन्हें नियमित पानी दिया जायेगा

उल्हासनगर की समस्याओं के बारे में अब ऑनलाइन शिकायत

- शिकायतों पर रखी जा सकती है नज़र

उल्हासनगर. मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने बताया कि शहर की समस्याओं के बारे में ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है. साथ ही ई-मेल भी शुरू किया जा रहा है, जिसके माध्यम से नागरिकों की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करके उन्हें ट्रैक किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं। हम सड़क निर्माण कार्य पर पूरा ध्यान दे रहे हैं और बनाई जा रही सभी सड़कें मार्च तक पूरी हो जाएंगी। साथ ही आयुक्त आव्हाले ने यह भी चेतावनी दी है कि काम में लापरवाही और कोताही बरतने वाले ठेकेदारों के ठेके रद्द कर दिए जाएंगे और उनकी जगह नए और मेहनती ठेकेदारों को काम दिया जाएगा। इस दौरान विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई।

■ अनधिकृत निर्माणों के नियमितीकरण की प्रक्रिया

इसमें मुख्य रूप से अनाधिकृत निर्माणों के नियमितीकरण की प्रक्रिया, ऑनलाइन प्रक्रिया, शिकायतों के लिए वेबसाइट शुरू करने, शहर में चल रहे सड़क काम में तेजी लाने, सीएचएम कॉलेज ब्रिज का काम, एमएमआरडीए द्वारा बनाए जा रहे सात सड़कों को जल्द से जल्द पूरा करने, 17 खंड क्षेत्र में पानी की समस्या, कुत्तों की नसबंदी प्रक्रिया, मनपा संपत्ति का व्यावसायिक उपयोग, मनपा कर्मचारियों की पदोन्नति, नई भर्ती, लंबित विकास कार्यों को तत्काल पूरा करने, विभिन्न जलापूर्ति काम, और नए मनपा भवन का पेशेवर तरीके से निर्माण जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

विकासात्मक मुद्दों पर चर्चा

शहर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए विधायक कुमार आयलानी ने मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के साथ बैठक आयोजित की। आयलानी ने कहा कि अव्हाले ने इस समय यह जानकारी प्रदान की। बैठक में विधायक कुमार आयलानी ने विभिन्न मुद्दों पर जानकारी प्रस्तुत की।

देवी चित्रलेखा का सम्मान करना मेरे लिए गौरव का क्षण- जगदीश तेजवानी

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर में श्री राधा रस अमृत कथा का तीन दिवसीय कार्यक्रम साई वसण दरबार में साईं गुरमुख दास साहेब की रजत जयंती के अवसर पर किया गया था जहां प्रसिद्ध देवी चित्रलेखा जी द्वारा कथा का हजारों भक्तों ने लाभ लिया।

इस शानदार भक्ति समारोह में उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश तेजवानी सहित कई गणमान्य शामिल हुए।

जगदीश तेजवानी की तरफ से समाज में आध्यात्मिक ज्ञान व गौ माता सेवा के लिए हॉस्पिटल चलाने के उनके पावन कार्य के लिए देवी चित्रलेखा जी को सम्मानित किया गया।

श्री तेजवानी ने कहा कि यह मेरे लिए गौरव का क्षण था जब मैंने प्रसिद्ध आध्यात्मिक कथावाचक व गौ सेवा धाम हॉस्पिटल की फाउंडर देवी चित्रलेखा जी का सम्मान किया।

निलजे फ्लाईओवर पर काम शुरू

- कल्याण-शील मार्ग पर यातायात धीमा

कल्याण. नवी मुंबई सहित पुणे की ओर जाने के लिए महत्वपूर्ण कल्याण शिलफाटा रोड पर निलजे फ्लाईओवर का पुनर्निर्माण कार्य बुधवार मध्य रात्रि से शुरू हो गया है। इस कार्य के कारण पुराने निलाजे ब्रिज को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है और नए ब्रिज पर हल्के वाहनों के आवागमन की अनुमति दी जा रही है। यहां किसी भी प्रकार की भीड़भाड़ से बचने के लिए यातायात की योजना बनाने हेतु बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। इसलिए, कभी-कभार ट्रैफिक जाम के अलावा, कहीं भी कोई खास यातायात भीड़भाड़ नहीं थी। यह कार्य 10 फरवरी तक जारी रहेगा।

दिल्ली से जेएनपीटी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना पर काम चल रहा है, जो रेलवे प्रशासन के माल परिवहन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह रेलवे लाइन निलजे रेलवे फ्लाईओवर के नीचे से गुजरती है और पुल के दोनों ओर भराव किया गया है। इस कार्य के लिए निलजे फ्लाईओवर की लंबाई बढ़ाना आवश्यक है और इसी उद्देश्य से फ्लाईओवर के पुनर्निर्माण का कार्य शुरू किया गया है।

इस कार्य के लिए बुधवार रात एक बजे से यह सड़क यातायात के लिए बंद कर दी गई है। पुराने निलजे फ्लाईओवर पर यातायात बंद कर दिया गया है और उसे नए फ्लाईओवर की ओर मोड़ दिया गया है। कल्याण शील रोड, कल्याण, डोंबिवली, अंबरनाथ, बदलापुर सहित उपनगरों से मुंबई, नवी मुंबई, पुणे और ठाणे शहरों की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए एकमात्र सड़क मार्ग है। इसलिए इस सड़क पर हमेशा ट्रैफिक जाम रहता है। कल्याण शील रोड को सीमेंट से पक्का किया जा चुका है तथा अधिकांश स्थानों पर चौड़ीकरण का कार्य लंबित है। इस मार्ग पर मेट्रो पिलर बिछाने के काम के कारण सड़क की मध्य लेन को बंद कर दिया गया है। इससे इस मार्ग पर भीड़भाड़ की समस्या हल नहीं हुई है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि कटाई निलजे फ्लाईओवर के बंद होने से यह दुविधा और बढ़ जाएगी।

सीनियर सिटीजन कार्ड का वितरण

- महेश सुखरामानी ने वरिष्ठ नागरिकों से की लाभ लेने की अपील

उल्हासनगर। वरिष्ठ नागरिकों को उनके उम्र के अनुसार सरकारी लाभ मिले इसलिए गुरुवार को भाजपा पूर्व नगरसेवक महेश सुखरामानी के कार्यालय में सीनियर सिटीजन कार्ड का वितरण किया गया। सीनियर सिटीजन कार्ड बनवाने के लिए कई लोगों ने सुखरामानी कार्यालय में आकर अपना फॉर्म भरा है उसमें से गुरुवार के दिन कई लोगों को सीनियर सिटीजन का कार्ड बनाकर दिया गया जिससे केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा जो सुविधा दी जाती है वह सीनियर सिटीजन को कार्ड प्राप्त हो पाए। महेश सुखरामानी ने पैनल नंबर 6 के वार्डवासियों सहित शहर के नागरिकों से आवाहन किया है कि जिनको भी सीनियर सिटीजन कार्ड बनवाना है वह उनके कार्यालय में संपर्क कर सकते है उनको निशुल्क सीनियर सिटीजन कार्ड बनाकर दिया जाएगा। श्री सुखरामानी के हाथों कल कई सीनियर सिटीजनों को कार्ड दिए गए।

जोर-जबरदस्ती का विरोध करने पर महिला की हत्या का प्रयास

उल्हासनगर. उल्हासनगर में अपने पड़ोस में रहने वाली 25 साल की एक महिला को कथित तौर पर जान ले मारने की कोशिश करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के अनुसार महिला ने जोर जबरदस्ती का विरोध किया था जिसके बाद शख्स हमलावर हो गया. 30 साल के आरोपी ने महिला को किसी बहाने से अपने घर बुलाया. आरोप है कि इसके बाद उसने दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और महिला की ओर बढ़ने लगा. विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा, शख्स ने महिला को शादी नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी थी. अधिकारी ने बताया कि महिला ने उससे कहा कि वह उसे पसंद नहीं करती, जिसके बाद गुस्से में आकर उस व्यक्ति ने कथित तौर पर रस्सी से उसका गला घोंटने की कोशिश की. उन्होंने बताया कि जैसे ही पीड़िता बेहोश हो गई, आदमी ने उसे घर में बंद कर दिया और भाग गया. महिला को बाद में होश आया और उसने शोर मचाया.

अंबरनाथ पूर्व में पेड़ काटा नहीं गया, जड़ से नीचे गिरा

- सोसायटी ने नपा को दिया पत्र
- अंबरनाथ नगर परिषद ने बिल्डर को दिया था नोटिस

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में गत दिनों शहर पूर्व के एक बिल्डर पर ये आरोप लगा था कि उन्होंने इमारत निर्माण के लिये एक बड़ा पेड काट दिया जिसके कारण पडोस की इमारत के वाहन एवं दीवार को नुकसान पहुंचा है। अंबरनाथ नगर परिषद वृक्ष विभाग ने बिल्डर सुशील तलरेजा उनके पुत्र व अन्य एक को नोटीस भेज कर दोषी ठहराते हुए पुलिस में अपराध दर्ज करने का पत्र दिया है. पाँच दिनों बाद ये खुलासा हुआ है कि पास की सोसायटी अबर रेसीडेन्सी साई सेक्शन प्लॉट नं. 381 की सचिव सौ. राजेश डगे ने अंबरनाथ नगरपरिषद मुख्याधिकारी को पत्र दिया है कि हमारी सोसायटी की हद में एक बड़े पेड़ पर महावितरण के भारी वायर केबल डाल जाने से एवं हमारी इमारत को मेन ड्रेनेज लिकेज होने के कारण ये पुराना पेड़ जड़ से नीचे गिर गया है. हमारी इमारत के पास में बिल्डर एक इमारत का निर्माण कर रहे हैं. उन्होंने ये पुराना पेड तोडा नहीं है. इस पेड़ को तोडने में बिल्डर का कोई सम्बंध नहीं है. सीसीटीवी में ये सब दिखाई दे रहा है.

सोसायटी ने सीसीटीवी फुटेज की कॉपी जोड पर ये पत्र मुख्याधिकारी को दिया है. मुख्याधिकारी को पत्र देने के बाद बिल्डर सुशील तलरेजा ने कहा है कि वह पेड तोडने के दोषी नहीं हैं. इसलिए उन पर की जा रही कार्यवाही को रोका जाये.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

संघीय मूल्यों का टकराव

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा से जुड़े श्रमिक लगातार बेरोजगार हो रहे हैं। यह सिलसिला चार वर्षों से जारी है। इस दौरान कई आरोप लगे और सरकार ने सफाई भी दी। मगर अब केंद्र ने अंततः स्वीकार कर लिया है कि वर्ष 2022 से 2024 के मध्य एक करोड़ पचपन लाख से अधिक मजदूरों के नाम हटा दिए गए हैं। आश्चर्य है कि करोड़ों नागरिकों को हर महीने प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज तो दिया जा रहा है, लेकिन काम नहीं।

यह निराशाजनक है कि जो लाखों श्रमिक काम कर रहे थे, अब वे खाली बैठ गए हैं। मनरेगा के माध्यम से प्रतिवर्ष ग्रामीण इलाकों में रोजगार का सृजन किया जाता है। इस योजना में सरकार हर वर्ष बड़ा निवेश करती है। वित्तवर्ष 2024-25 में ही छियासी हजार करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई। यह समझ से परे है कि इतना बड़ा बजट रखने के बावजूद इस योजना से जुड़े श्रमिक क्यों हटाए जा रहे हैं। जबकि संवैधानिक प्रतिबद्धता जताई गई है कि मनरेगा के जरिए ग्रामीण भारत के नागरिकों को देश के विकास से जोड़ा जाएगा। शहरों की तरह गांवों में भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मनरेगा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्यों को साल में सौ दिन रोजगार देना था। मगर केंद्र की यह महत्त्वाकांक्षी योजना धीरे-धीरे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती गई। धांधली होने लगी, फर्जी कार्ड बनने लगे। यह दुखद ही है कि ग्रामीण बेरोजगारों के लिए धरातल पर उतारी गई योजना पंचायतों, ग्राम प्रधानों और रोजगार सेवकों की मिलीभगत के कारण बर्बाद हो गई।

'जाब कार्ड' बनने पर भी श्रमिकों को पता नहीं होता कि उनके खाते में पैसा आया भी कि नहीं। योजना का संचालन कर रहे लोगों के फर्जीवाड़े का ही नतीजा है कि वित्तवर्ष 2023-24 में 85 लाख कार्ड हटा दिए गए थे। यह कोई नई बात नहीं, इससे पहले भी कई राज्यों से मनरेगा सूची से नाम हटाए जाते रहे हैं। बजट राशि भी घटाई जाती रही है। मगर यह कोई उचित रास्ता नहीं कहा जा सकता। सरकार को इसे दुरु स्त करने का तरीका सोचना चाहिए, न कि इसमें कटौती का। अगर यही क्रम रहा तो इस योजना का औचित्य ही क्या रहेगा?

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता से खिलवाड़ रुके, विसंगतियों को दुरुस्त करने की जरूरत

पिछले दिनों केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार की उपस्थिति में ड्राफ्ट रेगुलेशन-2025 जारी किया। यह उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक कर्मियों की नियुक्ति एवं प्रोन्नति संबंधी न्यूनतम अर्हता सुनिश्चित करने और उनकी सेवा शर्तों, शिक्षण एवं शोध कार्यभार, पेशेवर आचार-संहिता आदि से संबंधित है। इस मसौदे पर प्रतिक्रिया के लिए शिक्षकों, शैक्षणिक प्रशासकों और छात्रों आदि हितधारकों को एक माह की समयसीमा दी गई है। देश में अभी तक रेगुलेशन-2018 को ही लागू करने की कवायद जारी है। इसलिए यह अवसर यूजीसी रेगुलेशन-2018 की विसंगतियों को दुरुस्त करने का था।

उच्च शिक्षा क्षेत्र में दूरगामी दृष्टि और नीतिगत निरंतरता अत्यंत आवश्यक है। रेगुलेशन-2018 की विसंगतियों/समस्याओं पर विचार करने और उनका समाधान करने के लिए कई साल पहले एक समिति बनाई गई थी, लेकिन आज तक उस दिशा में कोई प्रगति न होना निराशाजनक है।

उक्त मसौदे में प्रतिभाओं के संरक्षण और प्रोत्साहन का दावा तो है, लेकिन उसका कोई विश्वसनीय रोडमैप नहीं दिखता। ड्राफ्ट रेगुलेशन में शिक्षकों की नियुक्ति में स्नातक और स्नातकोत्तर के विषय की महत्ता घटाते हुए पीएचडी वाले विषयों में नियुक्ति की छूट दी गई है। यह निर्णय अकादमिक जगत में अराजकता बढ़ाएगा। यह विषय विशेष से पढ़े हुए अभ्यर्थियों को

अन्य विषय में शिक्षक बनने का रास्ता खोलेगा। चार वर्षीय स्नातक करने वाले छात्रों को भी कॉलेजों/विश्वविद्यालयों में शिक्षक बनने का अवसर देने से भी अकादमिक गुणवत्ता घटेगी।

रेगुलेशन-2018 में विश्वविद्यालय में शिक्षक बनने के लिए पीएचडी की अनिवार्यता का प्रविधान किया गया था, क्योंकि ऐसे शिक्षकों को अध्यापन से अधिक शोध-कार्य करना होता है। अब पुस्तक के अध्यायों को शोध-पत्रों के समकक्ष दर्जा दे दिया गया है। यह चिंताजनक है।

अभ्यर्थी की विभिन्न अकादमिक परीक्षाओं के अकादमिक परिणाम, शोध-कार्य और प्रकाशन आदि को महत्व देने और साक्षात्कार की भूमिका सीमित करने के संबंध में भी कोई पारदर्शी, वस्तुपरक और न्यायसंगत नीति नहीं बनाई गई है।

चयन समिति केंद्रित नियुक्ति-प्रक्रिया को तो तोड़ा-मरोड़ा जाता रहा है। अभ्यर्थी की अकादमिक उपलब्धियों को नजरअंदाज करते हुए अस्पष्ट और अमूर्त मानकों के आधार पर उसके मूल्यांकन का अधिकार चयन समिति को दिया गया है।

अकादमिक उपलब्धियों संबंधी वस्तुपरक एवं सुपरिभाषित मानदंडों के स्थान पर नियुक्ति-प्रक्रिया को चयन समिति केंद्रित बना दिया गया है। प्रकाशन की गुणवत्ता के निर्धारण से लेकर अंतिम चयन तक वही सर्वशक्तिमान होगी।

अकादमिक दुनिया जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाई-भतीजावाद और परिवारवाद से ग्रस्त है। संपर्कों-संबंधों और लेन-देन के अभाव में योग्यतम अभ्यर्थी अनदेखी के शिकार होते हैं। यह स्थिति बदलनी होगी। अगर उच्च शिक्षा को बचाना है तो संघ लोक सेवा आयोग की तर्ज पर भारतीय उच्च शिक्षा सेवा शुरू की जानी चाहिए। केंद्रीय अनुदान प्राप्त सभी संस्थानों को इसके दायरे में लाया जाना चाहिए।

इन सभी संस्थानों से रिक्तियों का विवरण मांगकर साल में एक बार विज्ञापन आना चाहिए और एक साथ लिखित परीक्षा और साक्षात्कार होना चाहिए। नियुक्ति में 50 प्रतिशत अधिभार लिखित परीक्षा, 30 प्रतिशत अधिभार समस्त अकादमिक उपलब्धियों और 20 प्रतिशत अधिभार साक्षात्कार को दिया जाना चाहिए। सफल अभ्यर्थियों को मेरिट सूची में उनके स्थान, कॉलेज/ विश्वविद्यालय को दी गई वरीयता और उसके स्थायी निवास-स्थान आदि के समेकित अधिभार के आधार पर नियुक्ति दी जानी चाहिए। सत्र के बीच में कोई रिक्ति आने पर प्रतीक्षा सूची में से नियुक्ति की जानी चाहिए। यूजीसी से अनुदान प्राप्त सभी कॉलेजों के प्राचार्यों और सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति की नियुक्ति-प्रक्रिया को भी केंद्रीकृत करने की आवश्यकता है।

जितना अधिक हम प्रभु के और अपनी आत्मा के नज़दीक आते हैं, उतना ही अधिक हम दूसरों की तकलीफों के प्रति करुणा से भर जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अवैध प्रवासियों को बेड़ियों में जकड़ कर भेजा गया भारत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ ग्रहण से पहले ही स्पष्ट कर चुके थे कि वे अवैध प्रवासियों के साथ कड़ाई से निपटेंगे। यहां तक कि उन्होंने एच-वनबी वीजा समाप्त करने की भी घोषणा कर दी थी, मगर कड़े विरोध के कारण उन्होंने अपना कदम रोक लिया था। अब अमेरिका प्रशासन ने एक सौ चार अवैध प्रवासी भारतीयों का पहला जत्था वापस भेज दिया है। बताया जा रहा है कि ऐसे करीब अठारह हजार भारतीय मूल के लोग अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे हैं और उन सभी को वापस भेजा जाएगा।

निश्चय ही इस तरह अमेरिका ने भारत सहित दुनिया के तमाम देशों को सख्त संदेश दिया है कि वह अपने आव्रजन कानूनों को सख्ती से लागू कर रहा है। इससे बिना जरूरी कागजात के, अवैध तरीके से, अमेरिका में प्रवेश की कोशिश करने वालों पर लगाम लगेगी। गौरतलब है कि अमेरिका में अवैध घुसपैठ करने वालों में सबसे अधिक लोग भारत के होते हैं। ट्रंप ने कहा था कि ऐसे लोगों की वजह से अमेरिका पर नाहक भारी वित्तीय बोझ पड़ता और सुरक्षा को खतरा पैदा होता है। इसलिए उन सीमाओं पर भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात कर दिए गए हैं, जहां से अवैध प्रवासी प्रवेश करते हैं।

कोई भी देश अपने यहां लोगों को अवैध रूप से प्रवेश की इजाजत नहीं देता। युद्ध, अकाल आदि स्थितियों में कुछ लोग पलायन कर दूसरे देशों में शरण

लेने का प्रयास करते हैं, उन्हें कुछ समय के लिए नजरअंदाज कर दिया जाता है। मगर रोजी-रोजगार की तलाश में गलत तरीके से प्रवेश करने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। इसलिए जब ट्रंप ने अवैध प्रवासियों का मुद्दा उठाया, तो भारत ने कहा कि वह अपने नागरिकों को वापस लेने को तैयार है। मगर अमेरिका चूंकि उन्हें अपराधी मानता है, इसलिए वह उनके साथ उसी तरह निपटना चाहता है। पहली खेप में वापस भेजे गए लोगों को जिस तरह बेड़ियों में जकड़ कर सेना के विमान पर बिठाया गया, वह विचलित करने वाला दृश्य था। जबकि यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि अवैध रूप से अमेरिका गए लोगों का इरादा किसी प्रकार की आपराधिक गतिविधियां चलाने का नहीं था। वे बेरोजगारी के मारे हुए लोग हैं और वहां जाकर कुछ बेहतर जीवन जीना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वापस भेजते वक्त अपराधियों की तरह परेड कराने के बजाय मानवीय तरीका अपनाने की अपेक्षा गलत नहीं है। भारत के साथ तालमेल करके कोई गरिमापूर्ण रास्ता निकाला जा सकता है।

ट्रंप प्रशासन अमेरिकी हितों को सर्वोपरि रखते हुए कठोर पर कठोर फैसले कर रहा है। उसमें आव्रजन नीतियों को कड़ा बनाने पर विशेष बल है। इससे वहां रह रहे भारतीय मूल के लोगों में स्वाभाविक ही भय है। मगर हकीकत यह भी है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में भारतीय मूल के लोगों का योगदान महत्त्वपूर्ण है। उन्हें अगर ट्रंप प्रशासन बिना तार्किक आधार के निकालने या रोकने का प्रयास करेगा, तो उसकी अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव जल्दी ही दिखना शुरू हो जाएगा।

यही वजह है कि ट्रंप के जन्मजात नागरिकता संबंधी संवैधानिक प्रावधान के विरुद्ध फैसले को लेकर विरोध तल्ख हो गया है। उसे वहां की अदालत में चुनौती दी गई है। देश की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा की चिंता ट्रंप को होनी ही चाहिए, मगर मनमाने तरीके से कानून बदलने और फैसले थोपने को वहां कोई स्वीकार नहीं करेगा। इसीलिए उन्हें विरोधों का सामना करना पड़ रहा है।

मेमना की कीमत इतनी, जितने में खरीद सकते हो बुलेट

जरा हट के

गांव-देहात में भेड़-बकरियों के सौदे तो आपने बहुत देखे होंगे, लेकिन क्या आपने सुना है कि महज 8 महीने के मेमने की कीमत 1.48 लाख रुपये लग जाए? हां, यही हुआ है कर्नाटक के मंड्या जिले के किरुगावालु गांव में, जहां उल्लास गौड़ा के एक छोटे से मेमने ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी.

अब भाई, 8 महीने का कोई इंसानी बच्चा हो तो वो घुटनों के बल रेंग रहा होगा, लेकिन यहां तो 8 महीने के मेमने ने लाखों की कीमत पकड़ ली. वजन 25 किलो और नस्ल ऐसी कि इसका मांस खाने वाले उंगलियां चाटते रह जाएं – बंडूर भेड़.

20 हजार में बिका, फिर 50 हजार में वापस आया

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर इस मेमने में ऐसा क्या खास था, तो जनाब कहानी शुरू होती है 20 हजार से... और खत्म होती है 1.48 लाख पर. ये

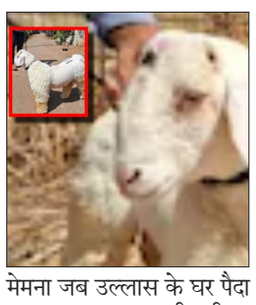

मेमना जब उल्लास के घर पैदा हुआ था, तब इसकी कीमत किसी ने सोची भी नहीं होगी. कुछ दिनों बाद टी. नरसिपुर के एक व्यक्ति ने इसे 20 हजार रुपये में खरीद लिया, लेकिन जैसे ही इसके वजन और क्वालिटी का लोगों को अंदाजा हुआ, तो उल्लास के पिता ने इसे 50 हजार रुपये में दोबारा खरीद लिया. यानी, जो मेमना एक बार बेचा जा चुका था, वो वापस घर आ गया – और वो भी ढाई गुनी कीमत पर.

अब कहानी यहीं खत्म नहीं होती. इस मेमने की चर्चा पूरे इलाके में फैल गई और आखिरकार शिवमोगा के एक व्यापारी जावेद ने इसे पूरे 1.48 लाख रुपये में खरीद लिया.

अब इसे मांस के लिए नहीं, बल्कि बंडूर नस्ल को और विकसित करने के लिए पाला जाएगा. जब कोई भेड़ इतनी महंगी बिके, तो उसकी "विशेष पूजा" तो बनती ही है. ये मेमना मंदिरों की तरह विशेष अनुष्ठान के बाद सौंपा गया.

अगर आप सोच रहे हैं कि ये बंडूर नस्ल आखिर इतनी महंगी क्यों है? बता दें कि इसका मांस बाकी भेड़ों से ज्यादा स्वादिष्ट, नरम और खास होता है. यही वजह है कि इस नस्ल को विकसित करने पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं.

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के लिए दबाएं ये प्वाइंट

■ बस 10 मिनट में मिलेगी राहत

हमारे खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान का ही नतीजा है कि आज बहुत सी बीमारियां बड़ी कॉमन हो गई हैं। ब्लड प्रेशर की बीमारी भी इन्हीं में से एक है। पिछले कुछ दशकों में बीपी के मरीजों की संख्या काफी तेजी से बढ़ी है। किसी को लो ब्लड प्रेशर की समस्या है तो किसी को हाई बीपी की। दोनों ही हमारे शरीर के लिए बहुत खतरनाक हैं। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के लिए सही खानपान, नियमित वर्कआउट और ओवरऑल हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करने की जरूरत है। हालांकि इन सभी के साथ आप एक्यूप्रेशर का सहारा भी ले सकते हैं। एक्यूप्रेशर में शरीर के कुछ प्वाइंट्स पर प्रेशर बनाया जाता है जिससे हेल्थ कंडीशन में सुधार होता है। आज हम आपको बीपी कंट्रोल करने के लिए ऐसे ही कुछ एक्यूप्रेशर प्वाइंट बता रहे हैं।

हाई ब्लड प्रेशर के लिए एक्यूप्रेशर प्वाइंट

1) लेफ्ट हैंड के अंगूठे के आगे की तरफ : हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए आप अपने बाएं हाथ के अंगूठे पर मौजूद एक्यूप्रेशर प्वाइंट को प्रेस कर सकते हैं। ये प्वाइंट अंगूठे के आखिरी हिस्से की साइ* पर होता है। इसे दस मिनट के लिए रोजाना दबाने से आपका हाई बीपी कंट्रोल हो सकता है।

2) पैर के अंगूठे और उंगली के बीच : हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए आप LV 3 नाम के एक्यूप्रेशर प्वाइंट को प्रेस कर सकते हैं। ये प्वाइंट पैर के अंगूठे और उंगली के बीच मौजूद होता है। इस हिस्से पर थोड़ी देर के

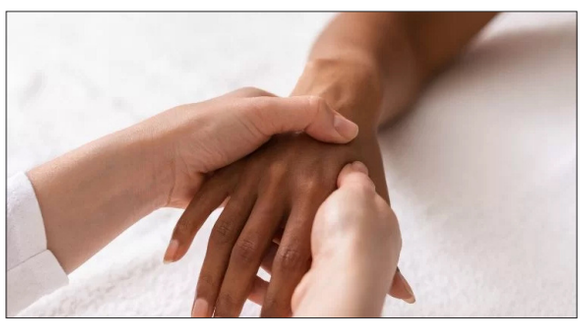

दबाव बनाने से ब्लड प्रेशर कम हो सकता है।

3) LI 4 नाम के प्वाइंट को करें प्रेस : हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए LI 4 नाम के एक्यूप्रेशर प्वाइंट को कुछ देर के लिए दबाया जा सकता है। ये प्वाइंट आपके हाथ के अंगूठे और इंडेक्स फिंगर के जोड़ पर मौजूद होता है। इसे प्रेस करने से इम्यूनिटी बूस्ट होने और कई बीमारियों से बचाव करने में भी मदद मिलती है।

लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए एक्यूप्रेशर प्वाइंट

1) प्वाइंट P8 को दबाएं :लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में लाने के लिए आप प्वाइंट P8 नाम के एक्यूप्रेशर प्वाइंट को प्रेस कर सकते हैं। ये प्वाइंट इंडेक्स फिंगर की टिप पर मौजूद होता है। इस प्वाइंट पर हल्का सा सॉफ्ट प्रेशर देने से लो बीपी में काफी राहत मिल सकती है।

2) एक्यूप्रेशर प्वाइंट PC9 को करें प्रेस : एक्यूप्रेशर प्वाइंट PC9 मिडिल फिंगर की नोंक पर मौजूद होता है। हल्के हाथों से इसे प्रेस करने पर लो ब्लड प्रेशर में राहत मिल सकती है। इसके अलावा इस प्वाइंट को प्रेस करने से कोमा, हार्ट पेन और सीने में जकड़न की समस्या में भी फायदा मिलता है।

3) अंगूठे के उभरे हुए हिस्से पर मौजूद प्वाइंट : लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए GV 25 नाम के एक्यूप्रेशर प्वाइंट को भी प्रेस किया जा सकता है। यह प्वाइंट हाथ के अंगूठे के बीच में उभरे हुए हिस्से पर मौजूद होता है। इसे प्रेस करने के अलावा आप किसी टेप की मदद से इस प्वाइंट पर मेथी का दान चिपका सकते हैं। इससे भी बीपी में काफी राहत मिल सकती है।

लौकी का मोमोज

खाना-खजाना

लौकी का नाम सुनते ही बच्चे क्या बड़े भी मुंह बनाने लगते हैं। लेकिन बच्चों को हरी सब्जियां खिलाना जरूरी होता है। ऐसे में आप लौकी से बने मोमोज बनाकर खिला सकती हैं। इससे बच्चों की बाहर की चटपटी चीजें खाने की जिद भी पूरी होगी और कुछ हेल्दी भी खा लेंगे। बस जान लें कैसे बनाएं हेल्दी लौकी के मोमोज, जिसे बच्चे क्या बड़े भी पूरे चाव से खाएंगे।

सामग्री :

- एक छोटे आकार की लौकी
- एक प्याज
- आठ से दस कली लहसुन
- एक इंच अदरक का टुकड़ा
- दो हरी मिर्च
- सोया सॉस एक चम्मच
- रेड चिली सॉस एक चम्मच
- विनेगर एक चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- चिली फ्लैक्स
- आधा कप मैदा
- आधा कप गेंहू का आटा

विधि :

-सबसे पहले मैदा और गेहूं को लेकर मोमोज का आटा गूंथ कर रेडी कर लें। अब आटे को ढंक कर रख दें। लौकी को छील लें और कद्दूकस की मदद से बारीक घिस लें।

प्याज, लहसुन, अदरक और

मिर्ची को बिल्कुल बारीक चॉप कर लें या मिक्सी में दरदरा पीस लें। पैन में तेल डालें और लहसुन-प्याज के पेस्ट को डालकर भून लें। जब इसका कच्चापन निकल जाए तो घिसी लौकी को इसमे डाल दें।

कुछ देर भूनें और ढंककर पकाएं। जब लौकी पक जाए तो तेज फ्लेम पर पानी को सुखा लें और लौकी में नमक, सोया सॉस, चिली सॉस डाल दें।

स्वाद के लिए आधा चम्मच विनेगर भी डाल दें।

मोमोज के लिए रोटी बेलें और तैयार लौकी की फिलिंग को भरें। स्टीम करें और टेस्टी विनेगर वाली लाल चटनी के साथ सर्व करें।

शरीर के लिए कितनी फायदेमंद हैं लौकी

लौकी या दूधी के नाम से प्रसद्धि इस सब्जी में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करती है. इस सब्जी के सेवन से कब्ज और गैस जैसी समस्याओं से राहत मलिती है और पेट साफ रहता है. अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तब भी ये सब्जी आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होती है. लौकी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है, जिससे यह वजन कम करने के लिए एक बेहतरीन आहार बन जाती है. लौकी में पोटेशियम, मैग्नीशियम और फाइबर जैसे तत्व होते हैं, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में मदद करते हैं. इस सब्जी को खाने से ब्लड शुगर का लेवल कंट्रोल करने में मदद मलिती है. लौकी में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो त्वचा को निखारते हैं और उसे मुलायम और स्वस्थ बनाए रखते हैं. यह मुंहासे, त्वचा के दाग-धब्बों को भी कम करने में मदद करती है. लौकी का जूस किडनी और लीवर के लिए भी फायदेमंद होता है. यह शरीर में जमा टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है और किडनी की सेहत को बेहतर बनाता है.

चलिए आपने इस सब्जी के कई फायदे तो जान लिए. अब अगर आप सिर्फ लौकी की सब्जी खाने से बोर हो गए हैं तो बाबा रामदेव ने कई ऐसी रेसपिज बताई हैं, जनिके जरिए आप इस सब्जी का सेवन कर सकते हैं.

1. लौकी की खीर

लौकी का सबसे आसान और स्वादिष्ट उपयोग इसे कद्दूकस कर और घी में पकाकर किया जा सकता है. यह एक ऊर्जा से भरपूर और पौष्टिक व्यंजन बन जाता है. इसे दूध में उबालकर खीर बनाई जा सकती है. यह खीर शक्कर के बिना बनाई जाती है, इसके लिए गुड़ पाउडर, मुनक्का (सूखे अंगूर), या अंजीर का उपयोग करके इसे मीठा किया जा सकता है. यह खीर कोलेस्ट्रॉल और त्वचा की समस्याओं के लिए भी फायदेमंद है.

2. लौकी की बर्फी

जो लोग मीठा खाना पसंद करते हैं, उनके लिए लौकी से बर्फी बनाई जा सकती है. मिश्रण को ठंडा होने दें और फिर आप एक स्वादिष्ट और सेहतमंद मिठाई का आनंद ले सकते हैं.

3. लौकी का जूस

यह लौकी को अपने आहार में शामिल करने का एक और बेहतरीन तरीका है. ताजे धनिए के साथ इसका जूस शरीर के मोटापे को कम करने में मदद करता है और यह पैंक्रियास और किडनी के लिए भी फायदेमंद है. नियमित रूप से इसका सेवन शरीर को डिटॉक्स करने और समग्र सेहत को बेहतर बनाने में मदद करता है.

4. लौकी का सूप

सर्दियों में एक गर्म सूप के रूप में लौकी का सेवन भी किया जा सकता है. लौकी को क्रश कर उबालकर एक सेहतमंद सूप तैयार किया जा सकता है, जो दिल के लिए फायदेमंद होता है. हालांकि, दिल की ब्लॉकेज को रोकने में मदद करता है, इसे हफ्ते में एक बार खाना ही बेहतर है, न कि रोज.

आटे में दिख रहें सफेद कीड़े

तो भगाने के लिए अपनाएं ये टिप्स...

गेहूं का आटा या मैदा, जब भी घर में ज्यादा दिन रखा रह जाता है तो उसमे सफेद रंग के कीड़े लगना शुरू हो जाते हैं। जो आटे में जाले बना लेते हैं। इन सफेद कीड़ों को रोकने के लिए कई उपाय किए जाते हैं लेकिन अगर कीड़े लग गए हैं तो उन्हें बढ़ने से रोकने के लिए ये उपाय अपनाएं। जिससे कि आटे को खराब होने से रोका जा सके और आटा खाने लायक बना रहे।

■ छान लें

आटे के कीड़े लग गए हैं तो सबसे पहले उसे छलनी या महीन सूती कपड़े की मदद से छान लें। जिससे सारे कीड़े बाहर निकल जाएं।

■ फ्रिज में रखें

आटे को अच्छी तरह से छानने के बाद किसी एयरटाइट बैग में भरकर उसे दो दिन के लिए फ्रिज में रख दें।

कम टेंपरेचर में कीड़े और उसके अंडे पनपना बंद हो जाते हैं। एक बार फ्रिज से बाहर निकालने के बाद फिर से अच्छी तरह से छलनी से चाल लें। जिससे कि बचे हुए कीड़े और अंडे भी बाहर निकल जाएं।

■ स्टोरेज का रखें ध्यान

जिस भी डिब्बे में आटे को रखें तो उसे पूरी तरह से साफ करके रखें। जिससे कि गंदगी से किसी भी तरह के कीड़े ना पनपें। एयरटाइट कंटेनर में ही आटे को रखें।

■ कंटेनर के आसपास सफाई रखें

जिस भी जगह पर आटे का कंटेनर रखें ध्यान रहे कि वो जगह साफ-सुथरी और बिल्कुल सूखी हो। नमी वाली जगह पर तेजी से कीड़े पनपते हैं। इसलिए हमेशा सूखी जगह पर ही आटे को रखें।

■ अजवाइन रखें

आटे के डिब्बे में तेज महक वाली अजवाइन की पोटली बनाकर डाल दें। इससे आटे में कीड़े नहीं पनपेंगे।

■ धूप दिखाएं

आटे को तेज धूप में प्लेन जमीन पर फैला दें। इससे भी सफेद कीड़े तेजी से मरते हैं और भाग जाते हैं। फिर इसे छानकर स्टोर कर लें।

आज का राशिफल

मेष : परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। अहंकार के भाव मन में न आने दें। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा। आर्थिक स्थिति संतोषप्रद रहेगी।

वृषभ : धनागम होगा। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। नौकरी में ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति के योग हैं। स्वाध्याय के महत्व को समझें। संतान को अपने कार्यों में सफलता मिल सकेगी।

मिथुन : व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। स्वार्थ एवं भोग की प्रवृत्ति से दूर रहें। कार्यस्थल पर प्रतिष्ठा प्राप्त कर पाएँगे।

कर्क : लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। शत्रु से सतर्क रहें। काम के प्रति लापरवाही न करें, किसी बात पर मतभेद की संभावना है। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। विवाद न करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कानूनी बाधा दूर होगी। दु:खद समाचार मिल सकता है।

सिंह : सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सुखवृद्धि एवं पारिवारिक उन्नति होगी। आर्थिक योजनाओं में धन का निवेश हो सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। पड़ोसियों से किसी बात पर मतभेद की संभावना है।

कन्या : मित्रों की मदद से समस्या का समाधान हो सकेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। थकान रहेगी। रचनात्मक कार्य में मन लगेगा। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करें। समय का सदुपयोग होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

तुला : व्यापार में मनोनुकूल लाभ होने के योग हैं। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यों में सफलता की संभावना है।

वृश्चिक : अनसोचे कार्य होंगे। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक समस्याएँ सूझबूझ से निपटाएँ। कार्य में सहयोग मिलेगा। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। फालतू खर्च होगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु : प्रयास सफल रहेंगे। योजना बनेगी। आज्ञानुरूप स्थिति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यापारिक गोपनीयता भंग न करें। पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा। व्यापार की चिंता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा।

मकर : मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक तनाव से मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ में कमी आ सकती है। उचित मार्गदर्शन लेना जरूरी होगा। प्रमाद न करें।

कुंभ : धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। मनोरंजन के अवसर उपलब्ध होंगे। अनसोचे कामों में हाथ नहीं डालें। कामकाज की जिज्ञासा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी।

मीन : व्यापार में लाभ होने के योग हैं। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी। परिवार में किसी से विवाद हो सकता है। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

कानपुर में युवक की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या

कानपुर. कानपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां सचेंडी के भौतीखेड़ा में 42 साल के सब्जी विक्रेता बाल गोविंद का रक्त रंजित शव गुरुवार को उनके घर के बाहर मिला। मूलरूप से औरैया के लखना ग्राम के रहने वाले बाल गोविंद की शादी सचेंडी के भौतीखेड़ा की सपना के साथ शादी हुई थी। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी है। बीते दो साल से वह ससुराल में परिवार के साथ रह रहे है। यहां वह सब्जी बेचकर परिवार का जीवन यापन कर रहे हैं। गुरुवार सुबह बाल गोविंद का रक्तरंजित शव घर के बाहर ही मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वाड बुलाकर जांच पड़ताल की। डीपी पश्चिम राजेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सब्जी विक्रेता की धारदार हथियार और ईट से वार कर हत्या की गई है। उनके परिवार में आपस में झगड़ा हुआ था। फिलहाल संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जल्द ही हत्या का खुलासा होगा।

यूपी में हादसा, दिल्ली से महाकुंभ जा रही बस की ट्रक से टक्कर, 40 श्रद्धालु घायल

इटावा. प्रयागराज में कुंभ मेले में जा रहे श्रद्धालुओं से भरी एक बस आगरा-लखनऊ हाईवे पर इटावा के बकेवर के पास एक ट्रेलर ट्रक से टकरा गई। यह टक्कर गुरुवार सुबह बकेवर ओवरब्रिज के पास हुई, जिसमें करीब 40 लोग घायल हो गए, जिनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। ड्राइवर स्टेरिंग के बीच में फंस गया। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद घायल ड्राइवर को बाहर निकाला। सभी घायलों को महेवा सीएचसी ले जाया गया। बस में सवार कुंभ स्नान जा रहे श्रद्धालु दिल्ली फरीदाबाद के आसपास के थे। घायलों में ज्यादातर महिलाएं हैं। सूचना पर बकेवर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह राठी, नगर इंचार्ज हाकिम सिंह, हाईवे मोबाइल पुलिस मौके पर पहुंचे। एनएचएआई की हाइड्रा बुलवाकर घायलों को एंबुलेंस और पुलिस वाहनों से अस्पताल ले जाया गया।

डिप्टी डायरेक्टर को 15 दिन तक किया डिजिटल अरेस्ट, 78 लाख ठगे

गोंडा. गोंडा में साइबर जालसाजों ने डिजिटल अरेस्ट कर एक डिप्टी डायरेक्टर को और एक डॉक्टर से 94 लाख 33 हजार 743 रुपये ठग लिए हैं। अधिकारी को पंद्रह दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर उनसे 78 लाख 80 हजार रुप, की ठगी की गई है। आरोपियों ने अवैध लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग की बात कहते हुए डराया। कथित आईपीएस से बात भी करवाई। दोनों मामलों में पीड़ित अधिकारी और डॉक्टर ने साइबर थाने में लिखित शिकायत की है। डॉक्टर के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है। अधिकारी की ओर से की गई शिकायत के अनुसार 15 जनवरी को उनके फोन पर शाम 6 बजे एक कॉल आया। फोन करने वाले ने अपना परिचय दिल्ली पुलिस के रूप में दिया। उस व्यक्ति ने कहा कि आपके फोन नम्बर से अवैधानिक कार्य जैसे- पैसे मांगना, वीडिया बनाना, एमएमएस आदि कार्य हुआ है।

18 पहाड़ियां पार कीं, लाशें देखीं; 'डंकी रूट' की पूरी कहानी

नई दिल्ली. अमेरिकी विमान से बुधवार को लाए गए 104 निर्वासितों में शामिल जसपाल सिंह ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उन्हें हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां बांधी गईं और अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरने के बाद ही उन्हें हटाया गया। गुरदासपुर जिले के हरदोरवाल गांव के रहने वाले 36 वर्षीय सिंह ने बताया कि 24 जनवरी को अमेरिकी सीमा पार करने के बाद उन्हें अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने पकड़ लिया था। विभिन्न राज्यों से 104 अवैध प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान बुधवार को यहां उतरा। अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा वापस भेजा गया यह भारतीयों का पहला जत्था है।

सूत्रों ने बताया कि इनमें से 33-33 हरियाणा और गुजरात से, 30 पंजाब से, तीन-तीन महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से तथा दो चंडीगढ़ से हैं। उन्होंने बताया कि निर्वासित लोगों में 19 महिलाएं और 13 नाबालिग शामिल हैं, जिनमें एक चार वर्षीय लड़का और पांच व सात वर्ष की दो लड़कियां शामिल हैं। पंजाब के निर्वासित लोगों को अमृतसर हवाई अड्डे से पुलिस वाहनों में उनके मूल स्थानों तक ले जाया गया।

बुधवार रात अपने गृह नगर पहुंचने के बाद जसपाल ने बताया कि एक ट्रैवल एजेंट ने उनके साथ धोखाधड़ी की है, क्योंकि उनसे वादा किया गया था कि उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका भेजा जाएगा। जसपाल ने कहा, ₹मैंने एजेंट से कहा था कि वह मुझे उचित वीजा (अमेरिका के लिए) के साथ भेजे। लेकिन उसने मुझे धोखा दिया।₹ उन्होंने बताया कि सौदा 30 लाख रुपए में हुआ था।

एजेंट ने दिया धोखा

जसपाल ने दावा किया कि वह पिछले साल जुलाई में हवाई जहाज से ब्राजील पहुंचा था। उसने कहा कि वादा किया गया था कि अमेरिका की अगली यात्रा भी हवाई जहाज से ही होगी। हालांकि उसके एजेंट ने उसे ₹धोखा₹ दिया, जिसने उसे अवैध रूप से सीमा पार करने के लिए मजबूर किया।

ब्राजील में छह महीने रहने के बाद वह सीमा पार कर अमेरिका चला गया, लेकिन अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जसपाल ने बताया कि उसे वहां 11 दिनों तक हिरासत में रखा गया और फिर वापस घर भेज दिया गया। जसपाल ने कहा कि उसे नहीं पता था कि भारत भेजा जा रहा है।

हाथों में हथकड़ी, पैरों में बेड़ियां

उसने दावा किया, "हमने सोचा कि हमें किसी दूसरे शिविर में ले जाया जा रहा है। फिर एक पुलिस अधिकारी ने हमें बताया कि भारत ले जाया जा रहा है। हमें हथकड़ी लगाई गई और पैरों में बेड़ियां डाल दी गईं। इन्हें अमृतसर हवाई अड्डे पर खोला गया।" जसपाल ने कहा कि निर्वासन से वह टूट गए हैं। बड़ी रकम खर्च हुई। पैसे उधार लिए गए थे।

प्रवासियों के दम पर महान बना अमेरिका

अब पहना रहा बेड़ियां

नई दिल्ली. ऐसा कहा जाता है कि 'अमेरिका केवल एक भूभाग नहीं, बल्कि एक विचार है'। लेकिन इसे बनाने में किसकी भूमिका रही? क्या आज का अमेरिका वही है जो मूल अमेरिकियों का था, या वह देश जिसे अप्रवासियों और अवैध प्रवासियों ने आकार दिया?₹ आज के समय में ये मुद्दा चरम पर है। इसकी वजह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित अवैध प्रवासियों को लेकर पॉलिसी है। बुधवार को एक अमेरिकी सैन्य विमान 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर अमृतसर पहुंचा। अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा निर्वासित भारतीयों का यह पहला जत्था है। निर्वासित लोगों ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उनके हाथ-पैरों में हथकड़ी लगी रही और अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरने के बाद ही उन्हें खोला गया। ऐसे में सवाल उठता है कि जो अमेरिका आज बिना वैध दस्तावेज वाले प्रवासियों को आतंकियों की तरह बेड़ियां पहनाकर भेज रहा है क्या वह खुद अपने दम पर महान बना है?

अमेरिका की बुनियाद यूरोपीय उपनिवेशों से पड़ी, लेकिन इससे पहले यह मूल अमेरिकी जनजातियों का घर था। इन्हें मूल निवासी या रेड इंडियन भी कहा जाता था। 1492 में क्रिस्टोफर कोलंबस ने अमेरिका की ₹खोज₹ की। इसके बाद यूरोपीय लोग यहां बसने लगे। 1607 में ब्रिटिश कॉलोनी जेम्सटाउन और 1620 में प्लायमाउथ की स्थापना हुई, जिससे अमेरिका में प्रवासन का पहला संगठित दौर शुरू हुआ। 17वीं और 18वीं शताब्दी में, यूरोप और अफ्रीका से बड़ी संख्या में लोग अमेरिका आए। इनमें कई कॉन्ट्रैक्ट पर लाए गए मजदूर थे, जो बेहतर जीवन की तलाश में आए थे। लेकिन इसके साथ ही अफ्रीका से लाखों गुलाम भी लाए गए, जिन्होंने अमेरिका की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाई।

अमेरिका के निर्माण में प्रवासियों की भूमिका

इतिहास में ₹अवैध अप्रवासी₹ की परिभाषा अलग-अलग समय पर बदलती रही। शुरुआत में अमेरिका में प्रवास के लिए कोई औपचारिक नियम नहीं थे। यूरोपीय उपनिवेशी जब अमेरिका आए, तो वे मूल अमेरिकियों की भूमि पर बस गए। यहां सवाल उठता है कि क्या वे ₹अवैध प्रवासी₹ थे? यह सवाल आज भी बहस का विषय है। 19वीं और 20वीं शताब्दी में अमेरिका में अप्रवासन कानून बनने लगे। 1882 में 'चीनी बहिष्कार अधिनियम' पहला बड़ा कानून था, जिसने अप्रवासन पर पहली बार रोक लगाई। लेकिन फिर भी यूरोप, एशिया और लैटिन अमेरिका से लाखों लोग अमेरिका आते रहे— कई बिना दस्तावेजों के भी।

'अमेरिका से भारतीयों की बेदखली पहली बार नहीं'

16 सालों में 15,652 को वापस भेजा

नई दिल्ली. अमेरिका से अवैध भारतीय अप्रवासियों की वापसी के मुद्दे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को संसद में जवाब दिया। जयशंकर ने राज्यसभा में कहा, 'यदि कोई नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहा है तो उसे वापस (स्वदेश) बुलाना सभी देशों का दायित्व है।'

विदेश मंत्री ने बताया, 'अमेरिका से भारतीयों का डिपोर्टेशन पहली बार नहीं हुआ है। यह 2009 से हो रहा है। पिछले 16 सालों में अमेरिका से 15,652 भारतीयों को वापस भेजा गया है। सबसे ज्यादा 2019 में 2042 लोगों को भारत डिपोर्ट किया गया। हम कभी भी अवैध मूवमेंट के पक्ष में नहीं हैं। इससे किसी भी देश की सुरक्षा में खतरा पैदा हो सकता है।'

अमेरिका ने 104 अवैध भारतीय अप्रवासियों को एक दिन पहले 5 जनवरी को भारत भेजा है। इन्हें US मिलिट्री के C-17 प्लेन से पंजाब के अमृतसर भेजा गया। इन लोगों के पैर में चेन बांधी गई थी, जबकि हाथ भी बेड़ियों में जकड़े हुए थे। अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल चीफ माइकल बैंक ने अपने X हैंडल पर इसका वीडियो शेयर किया है।

MP में वायुसेना का लड़ाकू विमान क्रैश

दोनों पायलटों ने खुद को कर लिया था इजेक्ट

शिवपुरी. मध्य प्रदेश में शिवपुरी के पास गुरुवार को सेना का एक ट्विन-सीटर मिराज 2000 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के वक्त यह नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था और इसमें दो पायलट सवार थे।

विमान के क्रैश होने से पहले दोनों पायलटों ने खुद को विमान से इजेक्ट (झटके से बाहर निकलना) कर लिया था। जिसकी वजह से दोनों पायलट सुरक्षित हैं और मामूली रूप से घायल बताए जा रहे हैं। उन्हें ले जाने के लिए मौके पर एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर पहुंचा, जिसके बाद दोनों को ग्वालियर ले जाया गया।

विमान एक खेत में क्रैश हुआ, जिसके बाद उसमें आग लग गई और वो जलकर खाक हो गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घायल पायलटों को सुरक्षित दूर करते हुए अ स्प ता ल पहुंचाने में मदद की।

इस बारे में जानकारी देते हुए रक्षा अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया जा रहा है, साथ ही अधिक जानकारी का इंतजार है।

यह विमान शिवपुरी जिले के करैरा थाना इलाके के बहरेटा सानी गांव के पास क्रैश हुआ। घटना के बाद घायल पायलट की तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें वह मोबाइल पर किसी से बात करते दिख रहे हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें संभालते हुए उनको सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

इस बारे में जानकारी देते हुए करैरा थाना प्रभारी विनोद छावई ने बताया कि एयरक्राफ्ट में दो पायलट सवार थे। हादसे से पहले दोनों पायलटों ने खुद को इजेक्ट कर लिया था। दोनों ही सुरक्षित हैं। घटना की जानकारी मिलते ही एयरफोर्स की टीम हेलिकॉप्टर से मौके पर पहुंची और दोनों पायलटों को ग्वालियर लेकर रवाना हो गई। एयरफोर्स की ओर से हादसे की जांच के आदेश भी दिए जा रहे हैं।

सरकारी अस्पताल में नर्स ने टांके की जगह लगा दिया फेवीक्विक

कर्नाटक के एक सरकारी अस्पताल में गंभीर मेडिकल लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां एक नर्स ने सात वर्षीय बच्चे के गहरे गाल के घाव पर टांके लगाने की बजाय फेविक्विक (Fevikwik) लगा दिया। बताया जा रहा है कि उसने कहा था कि टांके से बच्चे के गाल पर निशान हमेशा रह जाएंगे। इस दौरान बच्चे के मां-बाप लगातार विरोध करते रहे। वह कहती रही कि कई वर्षों से ऐसा ही कर रही है। इस घटना के बाद नर्स को निलंबित कर दिया गया है। बच्चे की हालत पर भी स्वास्थ्य विभाग ने बयान जारी किया है।

केरल में पकड़ा गया 'नटवरलाल'

लोगों से आधी कीमत में स्कूटी का लालच देकर 20 करोड़ ठगे

कोच्चि. केरल के कोच्चि में 26 साल का 'नटवरलाल' पकड़ा गया है। इस महाठग ने लोगों को स्कूटी, घरेलू सामान और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम आधी से कम कीमत पर देने का लालच देकर 20 करोड़ से अधिक की ठगी कर दी। यह दो साल से लोगों को बेवकूफ बनाता रहा और उनकी रकम से मौज उड़ाता रहा। इसने एक फर्जी एनजीओ भी बनाया। जब पीड़ितों के सब्र का बांध टूट गया तो उन्होंने पुलिस से मामले में ऐक्शन की गुहार लगाई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में 6 अन्य लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

कैसे करता था ठगी?

पुलिस के अनुसार, 2022 में मुख्य आरोपी अनंथु कृष्णन बड़े कॉरपोरेट्स के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) फंड की मदद से लोगों को आधे दाम पर टू-व्हीलर, सिलाई मशीन आदि देने का झांसा दे रहा था। वह 'मुवत्तुपुझा सोशियो-इकोनॉमिक डेवलपमेंट सोसाइटी' नाम की संस्था बनाकर लोगों से पैसा जमा करवाता था। इसके अलावा, उसने कई कंसल्टेंसी कंपनियां बनाई और उन्हीं के जरिए पैसे का लेन-देन किया। उसने खुद को 'नेशनल एनजीओ फेडरेशन' का नेशनल कोऑर्डिनेटर बताया और लोगों को यकीन दिलाया कि उसे भारत में कई कंपनियों के CSR फंड का प्रबंधन करने की जिम्मेदारी दी गई है।

पुलिस जांच में सामने आया कि केवल मुवत्तुपुझा में ही उसने करीब ₹9 करोड़ की ठगी की। इसके अलावा, उसने पूरे केरल में 62 'सीड सोसाइटीज़' बनाकर लोगों से पैसे इकट्ठा किए।

सैफ के हमलावर की पहचान स्टाफमेंबर ने कन्फर्म की

मुंबई. सैफ अली खान पर हमले के मामले में उनकी दो स्टाफमेंबर्स ने आरोपी शरीफुल इस्लाम की पहचान कन्फर्म कर दी है। शरीफुल इस्लाम को सैफ पर हुए हमले के 3 दिन बाद मुंबई से गिरफ्तार किया गया था।

सैफ अली खान पर हुए हमले के समय बच्चों के कमरे में ही मौजूद रहीं अरियाना फिलिप और जूनु को हाल ही में मुंबई की आर्थर रोड जेल में बुलाया गया था। यहां आरोपी शरीफुल इस्लाम की आइडेंटिफिकेशन परेड हुई, जिस दौरान दोनों ने उसकी पहचान कन्फर्म कर दी है।

खबरें थीं कि घटना की रात CCTV में दिख रहा शख्स और गिरफ्तार हुए शख्स का चेहरा अलग है। हालांकि, कुछ समय पहले ही शरीफुल इस्लाम का फेस रिकग्निशन टेस्ट पॉजिटिव आया है। सैफ के अपार्टमेंट के CCTV फुटेज में जो आरोपी का चेहरा कैद हुआ था, इस टेस्ट रिपोर्ट में अरेस्ट शख्स और शरीफुल, दोनों को एक ही बताया गया है।

पुलिस ने चेहरे की पहचान के अलावा, घटना के समय आरोपी ने जो कपड़े पहने थे, हथियार-उपकरण, एक गमछा और एक बैग भी फोरेंसिक जांच के लिए भेजा था।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलना चाहती है ममता बनर्जी सरकार

कोलकाता. तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर 'बांग्ला' करने की मांग करते हुए कहा कि यह नाम राज्य के इतिहास और संस्कृति को दिखाता है। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए तृणमूल सदस्य रीताब्रत बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा ने जुलाई 2018 में सर्वसम्मति से राज्य का नाम बदलने का प्रस्ताव पारित किया था लेकिन केंद्र ने अभी तक इसे मंजूरी नहीं दी है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि नामकरण राज्य के इतिहास, संस्कृति और पहचान से मेल खाता है और यहां के लोगों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित भी करता है।

वर्ष 1947 में बंगाल को विभाजित किया गया। भारतीय हिस्से को पश्चिम बंगाल कहा गया और दूसरे हिस्से का नाम पूर्वी पाकिस्तान रखा गया। 1971 में, पूर्वी पाकिस्तान ने स्वतंत्रता की घोषणा की और बांग्लादेश का एक नया राष्ट्र बना। बनर्जी ने कहा कि आज कोई पूर्वी पाकिस्तान नहीं है।

उन्होंने कहा, 'हमारे राज्य का नाम बदलने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल के लोगों के जनादेश का सम्मान किए जाने की जरूरत है। आखिरी बार 2011 में किसी राज्य का नाम बदला गया था, जब उड़ीसा का नाम बदलकर ओडिशा किया गया था।'

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई शहरों के नाम परिवर्तित किए गए हैं। इनमें बॉम्बे शामिल है, जो 1995 में मुंबई में बदल दिया गया, 1996 में मद्रास को चेन्नई, 2001 में कलकत्ता को कोलकाता और 2014 में बैंगलोर से बेंगलुरु में बदल दिया गया।

हाफिज सईद का बेटा खा रहा कश्मीर की 'आजादी' की कसम,

साल 2008 में मुंबई में हुए सिलसिलेवार धमाकों के मास्टरमाइंड आतंकवादी हाफिज सईद के बेटे तल्हा ने 'कश्मीर को आजाद' कराने की कसम खाई है। खबर है कि पाकिस्तान के लाहौर में हुई एक रैली के दौरान तल्हा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी टिप्पणी की। हाफिज सईद फिलहाल पाकिस्तान की जेल में बंद है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, 5 फरवरी को लाहौर में एक रैली में तल्हा ने 'किसी भी कीमत पर कश्मीर को भारत से आजाद कराने' की कसम खाई है। साथ ही पिता हाफिज की जेल से रिहाई की मांग की है। जनता को संबोधित करते हुए तल्हा ने भारतीय पीएम मोदी को 'शैतान' भी कहा। साथ ही पीएम मोदी पर पिता की छवि खराब करने के भी आरोप लगाए हैं।

3 शिक्षकों ने मिलकर शौचालय में छात्रा का किया यौन उत्पीड़न

कृष्णागिरी. तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले में तीन शिक्षकों ने गुरू-शिष्य के पवित्र रिश्ते को कलंकित कर दिया। एक सरकारी स्कूल में तीन शिक्षकों ने 13 साल की छात्रा का यौन उत्पीड़न किया है। तीनों आरोपियों को बुधवार को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार करने के बाद 15 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार यह अपराध 2 जनवरी को स्कूल के शौचालय के अंदर हुआ।

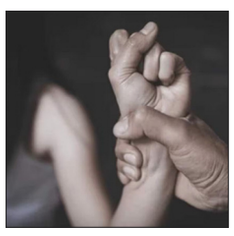

न्यूज एजेंसी एएनआई ने कृष्णागिरी कलेक्टर सी दिनेश कुमार के हवाले से बताया, ₹कृष्णागिरी जिले के एक सरकारी मिडिल स्कूल में तीन शिक्षकों ने 13 वर्षीय छात्रा का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। तीनों शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) ने निलंबित कर दिया है और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है। आरोपी शिक्षकों को 15 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

मामले से अवगत एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना कथित अपराध के एक महीने बाद 2 फरवरी को सामने आई, जब छात्रा के माता-पिता ने प्रधानाध्यापक के इस अपराध के बारे में सूचित किया। सूचना मिलने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और चाइल्ड हेल्पलाइन ने शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की।

राहुल-पंत में से एक को चुनना मुश्किल

रोहित बोले- हमारा फोकस इंग्लैंड और चैंपियंस ट्रॉफी पर

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनका पूरा फोकस इंग्लैंड और चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों पर हैं। बुधवार को रोहित के क्रिकेटिंग फ्यूचर को लेकर जब सवाल किया गया तब वे बोले, अभी मेरे करियर के बारे में बात करना सही नहीं है। मैं आने वालों मैचों की तैयारी कर रहा हूं।

भारत 6 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में पहला वनडे खेलेगा। चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों को पुख्ता करने के लिए टीम के पास यही आखिरी मौका होगा। ऐसे में टीम का कॉम्बिनेशन तय करना कप्तान रोहित के लिए सबसे बड़ा सवाल होगा।

रोहित ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यहां मेरे भविष्य के बारे में बात करना सही नहीं है।

इस महीने 3 वनडे और चैंपियंस ट्रॉफी होनी है। मेरे क्रिकेटिंग फ्यूचर पर कई रिपोर्ट चलती आ रही हैं और मैं उन रिपोर्ट्स पर स्पष्टीकरण देने के लिए यहां नहीं बैठा हूं। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, मेरे लिए इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैच और चैंपियंस ट्रॉफी बहुत महत्वपूर्ण हैं। मेरा ध्यान इन खेलों पर है और मैं देखूंगा कि उसके बाद क्या होता है।

उतार-चढ़ाव का कई बार सामना किया 37 साल के रोहित पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की 5 पारियों में 6.20 की औसत से उन्होंने केवल 31 रन बनाए थे। हाल ही में ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई थी, जिसमें BCCI ने उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताने के लिए कहा था। रोहित ने कहा, वनडे एक अलग फॉर्मेट हैं। क्रिकेटर के रूप में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे और मैंने अपने करियर में कई बार इनका सामना किया है। यह मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। हम जानते हैं कि हर दिन एक नया दिन है, हर सीरीज एक नई सीरीज है। मेरे लिए पीछे देखने का कोई कारण नहीं टेस्ट क्रिकेट में खराब फॉर्म के प्रश्न पर रोहित ने कहा, मैं चुनौती का इंतजार कर रहा हूं, यह नहीं देख रहा हूं कि बीते दिन में क्या हुआ है। मेरे पास पीछे देखने का कोई कारण नहीं है। यह महत्वपूर्ण है कि मैं अपने फ्यूचर को इम्प्रूव करूं।

राहुल और पंत में से एक को चुनना मुश्किल भारत ने 2023 वर्ल्ड कप के बाद साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ केवल दो वनडे सीरीज खेली हैं। रोहित ने कहा, टीम के खिलाड़ी अपने रोल और रिस्पॉन्सिबिलिटी को अच्छी तरह समझते हैं। राहुल और पंत में से किसी एक को चुनना बहुत मुश्किल है। राहुल ने 2023 वर्ल्ड कप के समय शानदार विकेटकीपिंग और बैटिंग की थी। हम इनमें से किसी एक को ही प्लेइंग-XI में शामिल कर सकते हैं।

पहले पति से अलग हुई महिला दूसरे हसबैंड से मांग सकती है गुजारा भत्ता

नई दिल्ली. पति से अलग होने के बाद पत्नी के गुजारा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत का कहना है कि एक महिला दूसरे पति से भी गुजारा पाने की हकदार है, भले ही उनकी पहली शादी कानूनी तौर पर खत्म न हुई हो। शीर्ष न्यायालय का कहना है कि अगर महिला और पहला पति सहमति से अलग हुए हैं, तो कानूनी तलाक नहीं होना उसे दूसरे पति से से गुजारा मांगने से नहीं रोकता है।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया था, जिसमें CrPC की धारा 125 के तहत महिला को दूसरे पति से गुजारा मिलने से इसलिए इनकार कर दिया था, क्योंकि उन्होंने पहले पति के शादी को कानूनी रूप से खत्म नहीं किया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ महिला की अपील को स्वीकार कर लिया है। जस्टिस बीवी नागरत्न और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच मामले की सुनाई कर रही थी।

कोर्ट ने कहा, 'यह याद रखें कि CrPC की धारा 125 के तहत गुजारा का अधिकारी पत्नी को मिलने वाला फायदा नहीं है, बल्कि पति की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी है।'

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा

अब सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि जब प्रतिवादी-दूसरे पति को महिला की पहली शादी के बारे में पता था। ऐसे में वह सिर्फ इसलिए गुजारा देने से इनकार नहीं कर सकता, क्योंकि महिला की पहली शादी कानूनी तौर पर खत्म नहीं हुई है। अदालत ने दो तथ्यों पर जोर दिया, 'पहला, यह मामला प्रतिवादी का नहीं है कि उससे सच छिपाया गया था। फैमिली कोर्ट ने साफतौर पर कहा था कि प्रतिवादी को अपीलकर्ता क्रमांक 1 की पहली शादी की पूरी जानकारी थी। प्रतिवादी ने अपीलकर्ता 1 के साथ सब जानते हुए एक नहीं, बल्कि दो बार शादी की।'

क्या था मामला

अपीलकर्ता महिला ने पहले पति को औपचारिक तलाक दिए बगैर दूसरे पुरुष और इस मामले में प्रतिवादी से शादी कर ली थी। प्रतिवादी को महिला की पहली शादी के बारे में पता था। दोनों साथ रहे और एक बच्चा भी हुआ, लेकिन कलह के चलते दोनों अलग हो गए। अब महिला ने CrPC की धारा 125 के तहत गुजारा की मांग की थी, जिसे फैमिली कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था।

मुफ्त राशन लेने वालों सावधान!

नई दिल्ली. कोविड काल से ही मुफ्त राशन ले रहे लोगों के लिए बड़ी खबर है। आयकर विभाग 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' (PMGKAY) के तहत गलत तरीके से लाभ उठा रहे लोगों को लाभार्थियों की लिस्ट से हटाने के लिए खाद्य मंत्रालय के साथ वित्तीय डेटा साझा करेगा। पीएमजीकेएवाई के तहत उन गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाता है जो आयकर का भुगतान नहीं करते हैं। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में पीएमजीकेएवाई के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो चालू वित्त वर्ष के 1.97 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से अधिक है।

पीएमजीकेएवाई को देश में कोविड-19 महामारी से हुए आर्थिक गतिरोधों के कारण गरीबों और जरूरतमंदों को होने वाली मुश्किलें कम करने के विशिष्ट उद्देश्य से शुरू किया गया था। हालांकि, सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण की अवधि एक जनवरी, 2024 से पांच साल के लिए बढ़ा दी है।

संक्षेप...

बस स्टँड पर महिला के बैग से 2.90 लाख के गहने चोरी.

भिवंडी. भिवंडी बस स्टँड पर महिला यात्री के बैग से 2 लाख 90 हजार रुपये मूल्य के सोने के गहने और महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी हो गए. पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है.

मोरणी चिंचवली गांव की निवासी 60 वर्षीय निर्मला भगवान शेलार अपने पति के साथ अंबाडी से बस द्वारा भिवंडी बस स्टँड पर पहुंची थीं.जब वे बस स्टँड पर उतरीं, तो दो अज्ञात महिलाओं ने उनकी हैंडबैग की चैन खोलकर अंदर रखा एक पाउच चुरा लिया. पाउच में 2 लाख 90 हजार रुपये के सोने के दो मंगलसूत्र, एक सोने का लक्ष्मीहार, सोने के मोती, सोने की नथ (नाक की ज्वेलरी) और कागजात दस्तावेज शामिल थे.

खारघर मर्डर मामले में गरमाई राजनीति

- मंत्री नितेश राणे ने लगाये आरोप, सीएम को लिखा पत्र

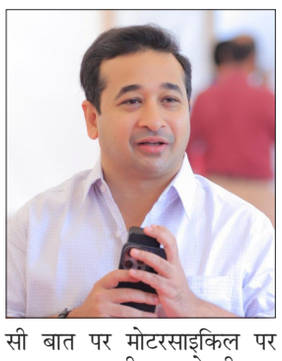

नवी मुंबई. खारघर में एक युवक शिवकुमार शर्मा की मौत के मामले में राज्य की राजनीति गरमाई गई है. महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नितेश राणे ने इस बाबत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है और आरोप लगाया है कि खारघर में हुई हिंदू युवक की हत्या में दो मुस्लिम युवकों का हाथ है. उन्होंने आरोप लगाया कि मामूली सी बात पर हेलमेट से पीट-पीटकर मार डाला गया.

नितेश राणे ने मांग की कि आरोपी धार्मिक सम्मेलन इज्तिमा से आरोपी लौट रहे थे. खारघर में इज्तिमा का कार्यक्रम 31 जनवरी से 2 फरवरी तक था. इस कार्यक्रम में से लौटते हुए मुस्लिम युवाओं ने जमकर उत्पात मचाया और छोटी सी बात पर मोटरसाइकिल पर सवार युवक की जान ले ली. यह घटना नवी मुंबई में 2 फरवरी की रात साढ़े 8 बजे हुई थी.

उन्होंने सीएम से मांग की कि खारघर, नवी मुंबई में आयोजित इस्तिमा कार्यक्रम के आयोजकों पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार करने का आदेश दिया जाए और उच्च स्तरीय समिति के माध्यम से जांच भी कराई जाए.

हमले के बाद से दोनों आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है. खारघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दीपक सुर्वे ने बताया कि पीड़ित और आरोपी दोनों एक ही रस्ते से जा रहे थे. आरोपी स्कूटी से जा रहा था और पीड़ित बाइक से जा रहा था.

पुलिस का कहना है कि पीड़ित आरोपी को टेकओवर कर आगे निकल गया था. उससे नाराज होकर आरोपी ने उसका पीछा किया और सिग्नल के पास उसे रोककर झगड़ा शुरू कर दिया. दोनों के बीच काफी तेज बहस हुई. इसी बीच आरोपी ने अपने हेलमेट से पीड़ित व्यक्ति के सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान सर में ब्लॉट क्लॉटिंग होने के कारण मौत हो गई.

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों को मदद से आरोपीयो की तलाश शुरू कर दी है. आरोपी के खिलाफ 42 /2015, भारतीय न्याय संहिता, कलम 103 (1), 351 (3), 3 (5) के तहत मामला दायर किया गया है.

पुलिस का कहना है कि एक आरोपी की उम्र लगभग 22 वर्ष है. रंग गोरा है. फुल बेबी कुर्ता व पायजामा पहने हुआ है. पैरों में काली सैंडल, हाथ में सफेद हेलमेट और दूसरे आरोपी की उम्र लगभग 25 वर्ष है. रंग गोरा है. काले रंग का पूरा महिलाओं वाला जब्बा पैरों तक पहना है. पैरों में काले रंग की चप्पल है. आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है.दोनों आरोपी हत्या के बाद से फरार है और जांच की जा रही है.

नितेश राणे के बयान पर बिफरे अबू आजमी

दूसरी ओर, नितेश राणे के बयान पर समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नितेश राणे नफरत के पुजारी हैं. ऐसे इंसान जो हर वक्त महाराष्ट्र का माहौल खराब करने के लिए हिंदू-मुस्लिम में झगड़ा लगाने का काम करते हैं. मैं सीएम से मांग करता हूं कि उन्हें कैबिनेट से बाहर निकाल देना चाहिए.

उन्होंने कहा कि अगर नितेश राणे कह रहे हैं कि इज्तेमा के बाद उसमे शामिल कुछ लोगों की पिटाई में किसी की मौत हो गई तो उस मामले की जांच पुलिस करें और दोषी को सजा दे. लेकिन ऐसी किसी घटना के लिए इज्तेमा पर महाराष्ट्र में रोक लगाने की मांग करना बिल्कुल गलत है. इज्तेमा में मुसलमानों को शरिया और धर्म के अलावा हिंदू समेत दूसरे धर्म के लोगों के साथ कैसे मिलजुल कर रहना चाहिए.

महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे घरेलू हिंसा में दोषी

पत्नी-बेटी को हर महीने देने होंगे 2 लाख

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे को पत्नी से घरेलू हिंसा के आरोप में बांद्रा की एक अदालत ने दोषी करार दिया है। पारिवारिक अदालत ने मुंडे को अपनी पत्नी और बेटी को हर महीने 2 लाख रुपए गुजारा भत्ता के रूप में देने का आदेश दिया। मुंडे की पहली पत्नी ने 2020 में उनके खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था। मुंडे की पहली पत्नी से दो बच्चे हैं। दोनों पारिवारिक विवाद के बाद से अलग रह रहे हैं।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के खिलाफ याचिकाकर्ता ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के तहत अंतरिम गुजारा भत्ता और मुआवजे का अनुरोध किया है।

बांद्रा की पारिवारिक अदालत ने मंगलवार को मुंडे को अंतरिम गुजारा भत्ता के रूप में महिला को 1,25,000 रुपये प्रति माह और उनकी बेटी को 75,000 रुपये प्रति माह देने का निर्देश दिया। हालांकि, अदालत ने उनके दूसरे बच्चे के लिए कोई राहत देने से इनकार कर दिया और कहा कि पुत्र होने के नाते वह गुजारा भत्ता का हकदार नहीं है क्योंकि वह वयस्क हो गया है।

भिवंडी पावरलूम को.सो.के पदाधिकारियों को 18 फरवरी को हाजिर होने का आदेश

- अनुपस्थित रहने पर कार्रवाई की चेतावनी

भिवंडी. प्रादेशिक उप आयुक्त वस्त्रोद्योग दीपक खांडेकर ने भिवंडी पावरलूम को.सोसाइटी के पदाधिकारियों को सोसाइटी भूखंड में हुए भ्रष्टाचार के मुद्दे जवाब दिए जाने हेतु 18 फरवरी को कार्यालय में हाजिर होने का आदेश दिया है अन्यथा नियमों के तहत 5 वर्ष के लिए निलंबन की चेतावनी दी है. प्रादेशिक उप आयुक्त वस्त्रोद्योग खांडेकर के पत्र से सोसाइटी पदाधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है. गौरतलब हो कि, चाविंद्रा भिनार के समीप भिवंडी पावरलूम सोसाइटी की करीब 20 एकड़ जमीन को पदाधिकारियों ने सोसाइटी नियमों का उल्लंघन करते हुए एक डेवलपर को करोड़ों रुपए का लेनदेन कर वेयर हाउस निर्माण के लिए देने का गंभीर आरोप लगाया गया है. शिकायतकर्ता सोसाइटी सदस्य जलालुद्दीन मोइनुद्दीन अंसारी की शिकायत की जांच के बाद उप आयुक्त खांडेकर ने 15 दिन पूर्व पावरलूम सोसाइटी मंडल को भंग कर प्रशासक मंडल की नियुक्ति कर समस्त कागजात कब्जे में लिया है.उप आयुक्त वस्त्रोद्योग ने सोसाइटी अध्यक्ष इकबाल रऊफ पंजाबी सहित सभी पदाधिकारियों को 18 फरवरी शाम 3 बजे मुंबई स्थित वस्त्रोद्योग कार्यालय में हाजिर होकर अपना पक्ष रखे जाने अन्यथा 5 वर्ष के लिए निलंबित किए जाने की चेतावनी दी है.

तड़ीपार चढ़ा पुलिस के हत्थे

भिवंडी. नारपोली पुलिस हद में अपराधी गतिविधियों में संलिप्त शातिर गुंडा विनोद वसंत चतारे को पुलिस उपायुक्त, परिमंडल-1 के आदेशानुसार 29 मार्च 2024 को ठाणे जिले सहित मुंबई उपनगर क्षेत्र से डेढ़ वर्ष के लिए तड़ीपार किया गया बावजूद वह बिना किसी अनुमति के जय मातादी कंपाउंड, काल्हेर इलाके में घूमता पाया गया.

नारपोली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.पुलिस ने बताया कि विनोद चतारे पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं.

जंगली सूअर समझकर साथी को ही मार दी गोली

- मौत के बाद हिरासत में 6 लोग

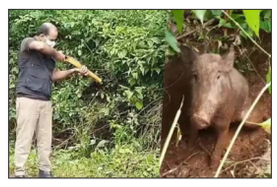

पालघर. पालघर जिले में एक शिकार अभियान के दौरान बड़ी दुर्घटना हो गई. जंगल में शिकार करने गए गांव के लोगों ने गलती से अपने ही एक साथी को जंगली सूअर समझकर गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. 28 जनवरी की रात को हुई इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया. पुलिस के मुताबिक, इस घटना के बाद छह लोगों को हिरासत में लिया गया है.

पालघर के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अभिजीत धरशिवकर ने बताया कि ग्रामीणों का समूह जंगली सूअरों के शिकार के लिए जिले के मनोर में बोरशेती के जंगल में गया था. उन्होंने बताया, 'अभियान के दौरान कुछ ग्रामीण ग्रुप से अलग हो गए. कुछ समय बाद, शिकारियों में से एक ने उन्हें जंगली सूअर समझकर गोली चला दी, जिससे दो ग्रामीण घायल हो गए. उनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया.'

घटना के बाद शव को छिपा दिया

उन्होंने बताया कि दुर्घटनावश हुई हत्या से स्तब्ध और घबराए लोग मृतक के शव को झाड़ियों में घसीटकर ले गए और घटना की सूचना पुलिस को देने के बजाय उसे छिपा दिया. धाराशिवकर ने बताया, 'सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच की और अपराध में शामिल होने के संदेह में छह ग्रामीणों को हिरासत में लिया. बुधवार को गहन तलाशी के बाद अधिकारियों ने पीड़ित का बुरी तरह सड़ चुका शव बरामद किया और मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.'

अभी ऐसी खबरें हैं कि घायल ग्रामीण ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया और ग्रामीणों ने अधिकारियों को सूचित किए बिना उसके शव का अंतिम संस्कार कर दिया. हालांकि, पुलिस इसका पता लगाने की कोशिश कर रही है और मामले की जांच कर रही है. उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज की जा रही है.

'चलो नदी जाने' अभियान

भिवंडी. भिवंडी मनपा द्वारा 'चला जाणूया नदी' (चलो, नदी जानें) अभियान के तहत जनजागृति प्रभात फेरी का आयोजन किया गया. अभियान का उद्देश्य नदी संरक्षण, नदी प्रदूषण की रोकथाम और जल संसाधनों के महत्व को लेकर नागरिकों में जागरूकता फैलाना था. अभियान में भिवंडी मनपा सहित निजी स्कूलों के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया.रैली के दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में तख्तियां लेकर नदी के महत्व, प्रदूषण रोकथाम और संरक्षण पर जागरूकता फैलाने वाले नारे लगाए. पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से नागरिकों को समझाया कि नदी और तालाबों के प्रदूषित होने से समाज को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है. छात्रों ने नागरिकों से अपील किया कि वे नदियों और तालाबों को गंदा न करें.औद्योगिक और घरेलू कचरे को पानी में न डालें. जल संसाधनों के संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाएं.

कल्याण में किसान पर जानलेवा हमला

कल्याण. कल्याण पश्चिम के लक्ष्मी बाजार इलाके में गुरुवार तड़के अपने बैलों के लिए मक्के का डंठल लेने आए एक किसान पर अज्ञात व्यक्ति ने जानलेवा हमला कर दिया जिससे परिसर में खलबली मच गई, इस हमले में किसान गंभीर रूप से जख्मी हो गया हैं, सापरड़े गांव के किसान बड़क्या राजाराम मढ़वी गुरुवार की सुबह बैलों के लिए मकई का डंठल लेने कल्याण स्टेशन के पास स्थित लक्ष्मी मार्केट सब्जी मंडी गए थे. उसी समय किसी बात को लेकर अज्ञात लोगों ने उन पर धारदार हथियार कोयता से प्राणघातक हमला कर दिया, इस हमले में किसान बारक्या मढ़वी गंभीर रूप से घायल हो गए. कोयते के वॉर से शरीर के कई हिस्सों जख्म हो गए हैं.

श्रीकांत शिंदे के जन्मदिन पर क्रिकेट का आयोजन

अंपायर से बहस के बाद हुई मारपीट, युवा सेना नेता समेत 6 गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे में पुलिस ने 6 लोगों को तब गिरफ्तार किया जब एक क्रिकेट मैच में शुरू हुई झड़प हिंसक हो गई. गिरफ्तार किए गए लोगों में एक युवा सेना कार्यकर्ता भी है. दरअसल, मंगलवार (4 फरवरी) की रात ठाणे के शिवसेना सांसद श्रीकांत सांसद के जन्मदिन के अवसर पर कोपरी इलाके में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था. शिवसेना की युवा सेना के सिद्धेश अभांगे इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक थे. कोपरी पुलिस के मुताबिक, लड़ाई तब शुरू हुई जब कुछ खिलाड़ियों ने अंपायर के फैसले को गलत बताया. इसके बाद दोनों टीमों के बीच झड़प हुई और फिर टूर्नामेंट के आयोजकों के साथ लड़ाई होने लगी. इस झड़प को कंट्रोल से बाहर जाने में ज्यादा समय नहीं लगा और मामला हाथापाई तक पहुंच गया.

अंपायर से हुई बहस के बाद लड़ाई

पीटीआई के अनुसार, कुछ खिलाड़ियों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत का हवाला देते हुए एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया, ₹मैच के बीच किसी चीज को लेकर असहमति होने पर कुछ ही देर में अनबन ने मारपीट का रूप ले लिया. शिकायत में बताया गया है कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर चाकुओं से हमला कर दिया था. पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया. आयोजकों ने खिलाड़ियों के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई है. अब जांच करते हुए पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर हुआ क्या था और लड़ाई शुरू कैसे हुई? शिकायत के अनुसार, क्या किसी ने लड़ाई के बीच चाकू का इस्तेमाल किया था?

केंद्रीय बजट की बारीकियों को समझना जरूरी

ठाणे. बजट को विस्तार से समझने के लिए बजट से संबंधित बुकलेट को ध्यान से पढ़ना चाहिए।बिना समझे हम किसी भी निर्णय का औचित्य उसके परिणाम नहीं समझ पाएंगे।इसलिए बजट को समझने के लिए इसके अंदर के भाग का अध्ययन करने की जरूरत होती है यह बात लोकसत्ता के संपादक गिरीश कुबेर ने कहा।केंद्रीय बजट 2025 पर गिरीश कुबेर ने मनपा की ओर से संचालित चिंतामनराव देशमुख प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान में तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे प्रशिक्षणार्थियों से बातचीत की।इस अवसर पर मनपा आयुक्त उमेश बिरारी ने उनका स्वागत किया।इस समय पर संस्था के संचालक महादेव जगताप उपस्थित थे।कुबेर ने कहा की बजट उस सरकार की राजनीतिक नीति का सूचक होता है।कुबेर ने कहा कि बजट में इकोनॉमी, बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी विदेशी निवेश की मंजूरी, परमाणु ऊर्जा में निजी क्षेत्र के प्रवेश आदि के लिए किये गये प्रावधानों का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

STAFF REQUIRED
SINDHI MALE
Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

जिलास्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में SST कॉलेज की ऐतिहासिक सफलता

उल्हासनगर. सेंचुरी हाई स्कूल, शाहाड में आयोजित जिलास्तरीय एथलेटिक्स (मैदानी खेल) प्रतियोगिता में एसएसटी कॉलेज के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 स्वर्ण, 17 रजत और 5 कांस्य पदक हासिल किए। इस प्रतियोगिता में 6 कॉलेजों के कुल 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कॉलेज के 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कों और लड़कियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाया। इस शानदार उपलब्धि के बाद एसएसटी कॉलेज के छात्रों का चयन मुंबई स्कूल डिवीजन स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

इस प्रतियोगिता का आयोजन क्रीड़ा एवं युवा सेवा संचालनालय महाराष्ट्र राज्य, पुणे जिला क्रीड़ा परिषद, ठाणे और उल्हासनगर महानगरपालिका द्वारा सेंचुरी हाई स्कूल, शाहाड में किया गया। प्रतियोगिता में उल्हासनगर महानगरपालिका के क्रीड़ा अधिकारी श्री शांताराम चौधरी और विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों के खेल शिक्षक उपस्थित रहे।

एसएसटी कॉलेज की इस उपलब्धि के लिए हर स्तर पर सराहना हो रही है, और खिलाड़ियों ने अगले स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयारी शुरू कर दी है।

3 वाहन चोरी

भिवंडी. शहर के अलग-अलग एरिया से मोटरसाइकिल चोरी की 3 शिकायत दर्ज हुई हैं. पहली घटना में कोंबडपाड़ा निवासी अनिकेत विजय महाजन अपनी होंडा एव्हिएटर मोटरसाइकिल भिवंडी बस स्टैंड के सामने उड्डाणपुल के नीचे रात के समय पार्क की. वापस आए तो बाइक गायब मिली. ठाणे निवासी आनंद सुखदेव सोनार अपनी हीरो होंडा पैशन दुर्गेश पार्क, काल्हेर में पार्क की थी.कुछ समय बाद जब वे लौटे, तो उनकी बाइक चोर लेकर रफूचक्कर हो गए. संगमपाड़ा निवासी अफसर इस्तियाक अंसारी ने अपनी हीरो मोटरसाइकिल खंडुपाड़ा के सार्वजनिक सड़क के पास पार्क की. कुछ समय बाद लौटे तो बाइक चोरी हो चुकी थी.भिवंडी में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं से लोगों में चिंता फैली है.

तकनीकी खराबी से लोकल सेवाएं बाधित

कल्याण. मध्य रेलवे पर गुरुवार की सुबह यात्रियों के लिए काफी परेशानी भरी रही। क्योंकि तकनीकी खराबी के कारण मध्य रेलवे लाइन पर उपनगरीय लोकल सेवा बाधित हो गई थी। इसके कारण यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। कर्जत और भिवपुरी रोड स्टेशनों के बीच तकनीकी खराबी आ गई है।

इस खराबी के कारण प्रारंभ में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस की ओर जाने वाली ट्रेनें प्रभावित हुईं। लेकिन कुछ ही देर में अप और डाउन दोनों रूटों पर लोकल सेवाएं बाधित हो गईं। मध्य रेलवे ने ट्वीट कर बताया, भिवपुरी रोड और कर्जत स्टेशन के बीच तकनीकी खराबी के कारण सभी अप/डाउन लोकल और मेल/एक्सप्रेस सेवाएं प्रभावित हुई हैं। मरम्मत का काम चल रहा है। हमें हुई असुविधा के लिए खेद है।

दो दिनों के अंतराल में यह दूसरी घटना थी। बुधवार सुबह करीब 4:55 बजे, ठाणे जिले के दिवा और मुंब्रा स्टेशनों के बीच धीमी गति वाले ट्रैक पर सिग्नलिंग प्रणाली में तकनीकी खराबी के कारण मध्य रेलवे की मुख्य लाइन पर सेवाएं 15 से 20 मिनट देरी से चल रही थीं।

भाई की शादी में शामिल होने इंडिया आईं प्रियंका

- हल्दी में शाहरुख खान के गानों पर थिरकीं
- बेटी मालती के साथ ट्रेडिशनल लुक में दिखीं

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भाई सिद्धार्थ चोपड़ा की शादी में शामिल होने मुंबई आई हैं। बुधवार शाम प्रियंका मेहंदी फंक्शन में शामिल हुईं। फंक्शन में उनके सास-ससुर भी नजर आए।

उधर, प्रियंका ने हल्दी फंक्शन की तस्वीरें और वीडियोज इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की हैं। वीडियोज में वे परिवार के साथ शाहरुख खान और खुद के गानों पर डांस करती नजर आईं।

पिछले साल सिद्धार्थ चोपड़ा ने साउथ की एक्ट्रेस नीलम उपाध्याय से सगाई की थी। इससे पहले कपल का रोका हुआ था। कपल ने रोका सेरेमनी की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इसकी अनाउंसमेंट की थी। इस फंक्शन में भी प्रियंका पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ शामिल हुई थीं।

- काफी वक्त से डेट कर रहे सिद्धार्थ-नीलम

नीलम और सिद्धार्थ एक दूसरे को काफी वक्त से डेट कर रहे हैं। नीलम इससे पहले कई फंक्शंस में चोपड़ा फैमिली के साथ नजर आ चुकी हैं। नीलम के बर्थडे पर भी सिद्धार्थ और उनकी मां मधु चोपड़ा एक्ट्रेस के साथ नजर आए थे।

- कौन हैं नीलम उपाध्याय?

नीलम बीते 9 साल से साउथ इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। उनकी पहली फिल्म 2010 में रिलीज होने वाली थी पर वो टल गई। इसके बाद नीलम ने 2012 में तेलुगु फिल्म 'मिस्टर 7' से डेब्यू किया। इसी साल उन्होंने फिल्म 'उन्नोदु ओरू नाल' से तमिल डेब्यू भी किया। वो आखिरी बार 2018 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म 'तमाशा' में नजर आई थीं। सिद्धार्थ इससे पहले 2019 में इशिता कुमार से सगाई कर चुके हैं। इस फंक्शन में प्रियंका और निक दोनों ही शामिल हुए थे।

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
उल्हास विकास NEWS LIVE
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099